भारत-मिस्र व्यापार वार्ता: 7वीं संयुक्त व्यापार समिति की काहिरा बैठक और संभावित व्यापार समझौते की राह



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

वाणिज्य और उद्योग मंत्री **पीयूष गोयल** 15-16 नवंबर 2026 को मिस्र के आधिकारिक दौरे पर गए, जहाँ काहिरा में **7वें भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (JTC)** की बैठक हुई। दोनों देशों ने **संभावित प्रेफ़रेंशियल/मुक्त व्यापार समझौते (PTA/FTA) के लिए वर्किंग ग्रुप** बनाने और उसके Terms of Reference तैयार करने पर सहमति जताई; **स्थानीय मुद्रा में व्यापार** के विकल्प भी चर्चा में आए। JTC को **मंत्री स्तर तक उन्नत** किया गया है - बैठक की सह-अध्यक्षता गोयल और मिस्र के निवेश और विदेशी व्यापार मंत्री **डॉ. मोहम्मद फ़रीद सालेह** ने की।

बैठक के प्रमुख बिंदु

- **व्यापार-समझौते की राह:** PTA/FTA के लिए वर्किंग ग्रुप गठित करने पर सहमति; ToR पर काम शुरू। रिपोर्टों के अनुसार किसान, मछुआरों और छोटे कारीगरों के हित समझौते की केंद्रीय प्राथमिकताओं में रहे।
- **स्थानीय मुद्रा व्यापार:** रुपया-आधारित व्यापारिक व्यवस्था के विकल्पों पर विचार।
- **गैर-टैरिफ़ बाधाएँ:** बाज़ार पहुँच, नॉन-टैरिफ़ बैरियर, ट्रेड रेमेडी और सीमा-शुल्क सहयोग पर बातचीत।
- **सेक्टरल एजेंडा:** कृषि और खाद्य, फ़ार्मा और स्वास्थ्य, इंजीनियरिंग वस्तुएँ, रसायन-पेट्रोकेमिकल, उर्वरक, वस्त्र, MSME, सेवाएँ, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, परिवहन और लॉजिस्टिक्स।
- **साथ कार्यक्रम:** भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार परिषद (JBC) बैठक, बिज़नेस फ़ोरम और स्टार्टअप फ़ोरम; **130 से अधिक** भारतीय उद्योगपतियों और स्टार्टअप का प्रतिनिधिमंडल साथ गया; Afreximbank से भी मुलाक़ात।

व्यापार के आँकड़े

PIB (14 नवंबर 2026) के अनुसार (स्रोत: DGCIS): अप्रैल-सितंबर 2026 में द्विपक्षीय वस्तु-व्यापार **5.04 अरब डॉलर** रहा - पिछले वर्ष की इसी अवधि से **64% की वृद्धि**। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के मिस्र को निर्यात **3.87 अरब डॉलर** और आयात **2.60 अरब डॉलर** रहे। प्रमुख निर्यात: मांस-पोल्ट्री उत्पाद, पेट्रोलियम उत्पाद, कार्बनिक रसायन, कपास और मशीनरी। प्रमुख आयात: कच्चा तेल, उर्वरक, कपास और खनिज उत्पाद।

रणनीतिक महत्व

- **स्वेज़ का द्वार:** मिस्र की भौगोलिक स्थिति भारतीय व्यवसायों को **अफ़्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप** के बाज़ारों से जोड़ने का प्रवेश-द्वार है; सुएज़ नहर आर्थिक क्षेत्र (SCZone) में अवसर।

- **रणनीतिक साझेदारी:** दोनों देशों के संबंध पहले ही **Strategic Partnership** स्तर तक उन्नत हैं; आर्थिक आयाम अब उसी गति को पकड़ रहा है।
- **क्षेत्रीय मूल्य-शृंखलाएँ:** विनिर्माण, फ़ार्मा, ऑटोमोबाइल और लॉजिस्टिक्स में संयुक्त उपक्रम; Afreximbank से जुड़ाव अफ़्रीका-विस्तार का माध्यम।
- **पश्चिम एशियाई संदर्भ:** लाल सागर-सुएज़ मार्ग की सुरक्षा-चुनौतियों (बाब अल-मंदेब/होरमूज़) के दौर में मिस्र-साझेदारी की अहमियत और बढ़ती है।

परीक्षा की दृष्टि से

यह घटना GS-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध - भारत-अफ़्रीका) और GS-III (व्यापार-नीति, PTA/FTA के प्रकार) दोनों से जुड़ती है। याद रखें: JTC का मंत्री-स्तरीकरण, वर्किंग ग्रुप का गठन और DGCIS के आँकड़े - तीनों प्रिलिम्स के सीधे तथ्य हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: 7वीं भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (नवंबर 2026) के संदर्भ में कौन-से कथन सही हैं?
1. बैठक काहिरा में हुई और JTC को मंत्री स्तर तक उन्नत किया गया।
2. दोनों देशों ने PTA/FTA हेतु वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई।
3. बैठक में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार पर प्रस्ताव पारित हुआ।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) बैठक 15 नवंबर को काहिरा में हुई, JTC मंत्री-स्तरीय हुआ और व्यापार समझौते के लिए वर्किंग ग्रुप पर सहमति बनी; UNSC सुधार इस बैठक का एजेंडा नहीं था।

प्रश्न 2: अप्रैल-सितंबर 2026 में भारत-मिस्र द्विपक्षीय वस्तु-व्यापार कितना रहा और कितनी वृद्धि दर्ज हुई?

(a) 3.04 अरब डॉलर; 34% वृद्धि

(b) 5.04 अरब डॉलर; 64% वृद्धि

(c) 7.54 अरब डॉलर; 24% वृद्धि

(d) 10.04 अरब डॉलर; 44% वृद्धि

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) PIB/DGCIS के अनुसार अप्रैल-सितंबर 2026 का द्विपक्षीय वस्तु-व्यापार 5.04 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 64% अधिक है।

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "भारत-मिस्र आर्थिक साझेदारी का ताज़ा तेज़ होना भारत की अफ़्रीका-नीति और व्यापार-विविधीकरण रणनीति दोनों का हिस्सा है।" 7वीं संयुक्त व्यापार समिति के परिणामों के आलोक में विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द)

रूपरेखा: भूमिका - Strategic Partnership और 7वीं JTC; प्रमुख परिणाम - PTA/FTA वर्किंग ग्रुप, स्थानीय मुद्रा, नॉन-टैरिफ़ बाधाएँ; आँकड़े - 5.04 अरब डॉलर/64%; रणनीतिक आयाम - सुएज़, अफ़्रीका-प्रवेश, लाल सागर संदर्भ; चुनौतियाँ - व्यापार-संतुलन, समझौते की जटिलता; निष्कर्ष - संस्थागत तंत्र से दीर्घकालिक लाभ।

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: 15-16 नवंबर 2026 को काहिरा में 7वीं भारत-मिस्र JTC बैठक हुई; दोनों देश PTA/FTA के लिए वर्किंग ग्रुप बनाने और ToR तय करने पर सहमत हुए। अप्रैल-सितंबर 2026 का द्विपक्षीय व्यापार 5.04 अरब डॉलर (64% वृद्धि) रहा।

प्रश्न: JTC बैठक का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम क्या है?

संभावित प्रेफ़रेंशियल/मुक्त व्यापार समझौते के लिए वर्किंग ग्रुप बनाने और उसके Terms of Reference तैयार करने की सहमति - साथ ही JTC का मंत्री स्तर तक उन्नत होना, जो दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को संस्थागत गति देता है।

प्रश्न: भारत के मिस्र से प्रमुख निर्यात और आयात क्या हैं?

निर्यात: मांस-पोल्ट्री उत्पाद, पेट्रोलियम उत्पाद, कार्बनिक रसायन, कपास, मशीनरी। आयात: कच्चा तेल, उर्वरक, कपास, खनिज उत्पाद। (FY 2025-26: निर्यात 3.87 अरब डॉलर, आयात 2.60 अरब डॉलर - DGCIS)

प्रश्न: मिस्र भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम क्यों है?

सुएज़ नहर की स्थिति के कारण मिस्र अफ़्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप के बाज़ारों का प्रवेश-द्वार है; सुएज़ नहर आर्थिक क्षेत्र में निवेश के अवसर और लाल सागर मार्ग-सुरक्षा की चुनौतियों के दौर में साझेदारी का महत्व बढ़ गया है।

स्रोत

- PIB (आधिकारिक, 14 नवंबर 2026): पीयूष गोयल का मिस्र दौरा और 7वीं JTC - व्यापार-आँकड़े (DGCIS) और एजेंडा
- द हिंदू (16 नवंबर 2026): व्यापार बढ़ाने और गैर-टैरिफ़ बाधाओं पर चर्चा
- PSU Connect (16 नवंबर 2026): PTA/FTA वर्किंग ग्रुप पर सहमति